तापमान
अधिकतम 27 .7 डिग्री
न्यूनतम 9 .0 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 24 फरवरी 2025

11 सांपला कॉलेज के डॉ. दीपक लठवाल को चुना सर्वश्रेष्ठ

12 आर्य समाज का बेटियों को बचाने का आंदोलन ...

शहर में आज

- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन।
- लघुसचिवालय में समाधान शिविर में सुनी जाएंगी समस्याएं।
- रोडवेज डिपो में कर्मचारियों की मीटिंग।

खबर संक्षेप

गवर्नमेंट कॉलेज महम का वार्षिक खेल उत्सव कल

महम। राजकीय महाविद्यालय महम में मंगलवार 25 फरवरी को पुरस्कार वितरण समारोह एवं वार्षिक खेल उत्सव आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर सेवानिवृत प्रिंसिपल डॉ. आर सी पूनिया बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित होंगे। अर्जुन अवार्डी दीपक हुड्डा खेलों का शुभारंभ करेंगे। प्रतिभावान विद्यार्थियों और विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

गांव हमायुपुर में खेत से सामान चोरी

रोहतक। गांव हमायुपुर में खेत से सोलर पैनल तार व मोटर चोरी हो गई। किसान सतीश ने आईएमटी थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह हमायुपुर गांव का रहने वाला है। 23 फरवरी को वह अपने खेत में गया तो सोलर पैनल की तार व मोटर चोरी हुई मिली, जिसे कोई व्यक्ति चोरी कर ले गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीजीआईएमएस में मंगलवार को वर्कशाप

रोहतक। पीजीआइएमएस के मल्टी डिसीप्लिनरी रिसर्च यूनिट द्वारा मंगलवार को एक दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन करवाया जाएगा, जिसका विषय ग्रांट राइटिंग एवं फंडिंग अपॉर्चुनिटीज होगा। इस वर्कशॉप में विशेषज्ञों द्वारा ग्रांट राइटिंग और फंडिंग के अवसरों पर चर्चा की जाएगी। इस वर्कशॉप के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए एमआरयू के नोडल अधिकारी डॉ संजय कुमार ने बताया कि इस वर्कशॉप में मुख्य अतिथि के तौर पर कुलपति डॉ एच के अग्रवाल उपस्थित होंगे, वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर निदेशक डॉक्टर एस के सिंघल उपस्थित होंगे।उन्होंने बताया कि इस वर्कशॉप में ग्रांट राइटिंग के कौशल में सुधार करने के लिए विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा।

जिला बार एसोसिएशन चुनाव: 28 फरवरी को डाले जाएंगे वोट

वोटरों को लुभाने के लिए पार्टी की या शराब पिलाई तो रद होगा नामांकन

बार काउंसिल ऑफ पंजाब एंड हरियाणा, चंडीगढ़ के चेयरमैन डॉ विजेंद्र अहलावत ने जारी किए आदेश

- सभी बार एसोसिएशन और चुनाव कमेटियों को पत्र जारी किया
- कई जगहों पर काउंसिल को मिल रही हैं पार्टी के आयोजन की शिकायतें

विजय अहलावत ▶▶| रोहतक

जिला बार एसोसिएशन चुनाव के दौरान वोटरों को लुभाने के लिए पार्टी करने, शराब पिलाने या उपहार देने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया गया है। इस दौरान प्रधान सहित अन्य पदों पर चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों के प्रचार और गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। आदेशों का उल्लंघन करने वाले उम्मीदवारों का न केवल नामांकन रद किया जाएगा बल्कि अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश बार काउंसिल ऑफ पंजाब एंड हरियाणा, चण्डीगढ़ के चेयरमैन डॉ विजेंद्र सिंह अहलावत की तरफ से जारी किए गए हैं। इस संदर्भ में सभी बार एसोसिएशन और चुनाव कमेटियों को पत्र जारी किया गया है। जिसमें ऐसी शिकायतें मिलने का हवाला दिया गया है। साथ ही निगरानी कमेटी बनाने के लिए भी कहा गया है। चेयरमैन द्वारा जारी किए गए आदेशों में स्पष्ट किया गया है कि इस विषय पर बार काउंसिल ऑफ पंजाब और हरियाणा द्वारा चुनाव कार्यक्रम में जारी किए गए निर्देशों के बावजूद, चुनाव में कुछ उम्मीदवार और उनके समर्थक अनैतिक और अनुचित गतिविधियों जैसे पार्टियों की मेजबानी, शराब, उपहार वितरित करने और अश्लील मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित करने में लगे हुए हैं। जिससे चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन हो रहा है।

डॉ. विजेंद्र सिंह अहलावत

निगरानी कमेटी बनेंगी

चुनाव प्रचार पर नजर रखने के लिए निगरानी कमेटी बनाई जा रही हैं। जिसकी जिम्मेदारी उम्मीदवारों के प्रचार और अन्य गतिविधियों पर नजर रखने की रहेगी।

मतदान के बाद वोटों की गिनती होगी

जिला बार एसोसिएशन में 28 फरवरी को चुनाव होने हैं। जिसमें प्रधान, उप प्रधान, महासचिव, संयुक्त सचिव और लाइब्रेरियन के पद पर प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे। मतदान के बाद शाम को ही वोट की गिनती होगी।

स्क्रीन पर लाइव देख सकते हैं चुनाव

चुनाव अधिकारी प्रदीप मलिक ने बताया कि चुनाव पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाएगा। अंदर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। जिसकी स्क्रीन मतदान केंद्र के बाहर लगाई जाएगी। हर वोटर वहां से चुनाव की प्रक्रिया को देख सकेगा। उनका मकसद चुनाव को पारदर्शिता और शांति से करवाने का है।

इनमें हैं मुकाबला

प्रधान पद के लिए पूर्व प्रधान अरविंद श्योराण और दीपक हुड्डा में टक्कर है। महासचिव पद के लिए हर्षवर्धन मलिक, कर्ण नारंग, राजकर्ण पंघाल में मुकाबला है। संयुक्त सचिव के लिए साक्षी लांबा, डिंपल और ज्योति चुनाव लड़ रहे हैं। जबकि उप प्रधान पद के लिए सुशीला देवी, संदीप खत्री, अभीजीत चौधरी और अजय ओहल्यान ने नामांकन भरे हुए हैं। लाइब्रेरी इंचार्ज के लिए अनिल कुमार, मंजीत सिंह और अशोक कुमार और साहिल ने नामांकन भरे हुए हैं।

पत्र में दिए ये आदेश

- पार्टियों एवं अनैतिक समारोहों पर पूर्ण प्रतिबंधः बार एसोसिएशन चुनाव के दौरान पार्टी एवं अनैतिक समारोहों पर पूर्ण प्रतिबंध होना चाहिए। कोई भी उम्मीदवार या उसका समर्थक पार्टी, दावतों, शराब, उपहारों के वितरण अथवा केवल मतदाताओं को प्रभावित करने के उद्देश्य से किसी भी प्रकार के मनोरंजन कार्यक्रम के आयोजन में संलिप्त पाया जाता है, तो कार्रवाई होगी।
- उम्मीदवार का नामांकन तत्काल रद्द करनाः यदि कोई उम्मीदवार इस आदेश का उल्लंघन करता पाया जाता है, तो उसका नामांकन तत्काल रद्द कर दिया जाएगा तथा उसे चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।
- निगरानी एवं जांचः निर्वाचन प्रक्रिया का निरीक्षण करने के लिए एक विशेष निगरानी दल तैनात किया जाएगा। इस आदेश का उल्लंघन करने पर कठोर अनुशासनात्मक एवं कानूनी कार्रवाई की जाएगी।
- कानूनी एवं अनुशासनात्मक कार्रवाईः कोई भी उम्मीदवार, उसका समर्थक, व्यक्ति अथवा समूह उपरोक्त गतिविधियों में संलिप्त पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध अधिवक्ता अधिनियम, 1961, बार काउंसिल विनियमों के सुसंगत प्रावधानों एवं देश के कानून के प्रावधानों के अंतर्गत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

कुलपति ने यजमान का दायित्व निर्वहन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

- महान समाज सुधारक महर्षि दयानंद सरस्वती को अद्भुत प्रेरणादायी व्यक्तित्व बताया

भारत के महान समाज सुधारक, आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद की जयंती पर महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में स्मृति यज्ञ का आयोजन किया गया। एमडीयू के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने इस यज्ञ के यजमान का दायित्व निर्वहन किया। प्रतिष्ठित आर्य समाजी, विदुषी पद्मश्री आचार्य सुकामा ने यज्ञ संचालन किया तथा विश्विद्यालय के महर्षि दयानंद एवं वैदिक अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. सुरेन्द्र कुमार ने यज्ञ कार्यक्रम का संयोजन किया। एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने महान समाज सुधारक महर्षि दयानंद सरस्वती को अद्भुत प्रेरणादायी व्यक्तित्व बताया। उन्होंने कहा कि भारत में स्वराज की लौ को स्वामी दयानंद सरस्वती ने प्रज्वलित किया।

विचार रखें

इस अवसर पर विद्यार्थी निशांत, रक्षा, मंदीप और आकाश ने अपने विचार रखे। यज्ञशाला समिति सदस्य विद्यार्थियों ने स्वामी दयानंद सम्बंधित स्तुति गान तथा प्रेरणादायी समूह गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डीन, एकेडमिक अफेयर्स प्रो. ए. एस. मान, कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत, परीक्षा नियंत्रक प्रो. गुलशन लाल तनेजा, डीन, स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. रणदीप राणा, डीन, सीडीसी प्रो. विनीता हुड्डा, चीफ वार्डन बॉयज प्रो. सत्यवान बरोदा, चीफ वार्डन गर्ल्स प्रो. सपना गर्ग, निदेशक सीडीओई प्रो. नसीब सिंह गिल समेत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, अन्य अधिकारी, प्राध्यापकगण, गणमान्य जन, एमडीयू कर्मी, शोधार्थी, विद्यार्थी उपस्थित रहे तथा यज्ञ कार्यक्रम में शामिल हुए।

मीटिंग में बदल गई रैली, कुर्सियां खाली रही, श्रोताओं की कमी खली

राजधानी और हाईकोर्ट की मांग को लेकर चौबीसी चबूतरे पर रैली हुई फ्लॉप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

राजधानी और हाईकोर्ट को हरियाणा के बीच बनाने की मांग को लेकर प्रदेश में स्वाभिमान आंदोलन शुरू किया गया है। इस आंदोलन के तहत रविवार 23 फरवरी को महम में चौबीसी चबूतरे पर स्वाभिमान रैली रखी गई थी। रैली के आयोजकों को उम्मीद थी कि इस रैली में प्रदेशभर से लोग पहुंचेंगे। लेकिन आयोजकों को श्रोताओं की कमी खली। ज्यादातर कुर्सियां खाली रह गई। जिस वजह से रैली एक मीटिंग में तब्दील हो गई। रैली के संयोजक रणदीप लोहचब ने बताया कि प्रदेश के लोगों को चंडीगढ़ में राजधानी और हाईकोर्ट के कार्यों के लिए जाना पड़ता है। चंडीगढ़ जाने आने में समय और धन दोनों बर्बाद हो रहे हैं। लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हरियाणा की राजधानी हरियाणा के बीच में बननी चाहिए। स्वाभिमान आंदोलन का नारा है कि हरियाणा की राजधानी हरियाणा के बीच बनाओ। महम और हांसी के बीच बनाओ व जींद और भिवानी के बीच बनाओ। इसी मुद्दे पर चर्चा करने के लिए और इस आंदोलन को तीव्रता प्रदान करने के लिए महम के चौबीसी चबूतरे पर यह रैली रखी गई। लेकिन लोगों ने इस मुद्दे पर रूचि नहीं दिखाई और उम्मीद से अत्यधिक कम लोग चौबीसी चबूतरे पर पहुंचे। जो लोग पहुंचे वे भी ज्यादातर मंच पर ही दिखाई दिए। चौबीसी सर्वखाप पंचायत प्रधान और अन्य पदाधिकारी गांव गांव जाकर इस रैली में भाग लेने के लिए ग्रामीणों से अपील कर रहे थे। पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला के राजनैतिक सचिव रहे मास्टर हरि सिंह और उनके बेटे रणदीप लोहचब भी इस मुद्दे पर प्रदेशभर में लोगों को निमंत्रण दे रहे थे। बावजूद इसके रैली फ्लोप रही।

महम। चौबीसी चबूतरे पर आयोजित रैली के दौरान खाली पड़ी कुर्सियां।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन प्रारंभ

स्वामी दयानंद ने जातिगत भेदभाव, स्त्री समाज के प्रति अन्याय के खिलाफ अलख जगाई : स्वामी आर्यवेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद सरस्वती के जीवन तथा दर्शन की वर्तमान प्रासंगिकता तथा राष्ट्र निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान को रेखांकित करते हुए रविवार से महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन प्रारंभ हुआ। महर्षि दयानंद सरस्वती- जीवन एवं दर्शन विषयक इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय का महर्षि दयानंद एवं वैदिक अध्ययन केन्द्र, संस्कृत, पालि एवं प्राकृत विभाग तथा छात्र कल्याण विभाग संयुक्त रूप से कर रहा है।

इस अंतरराष्ट्रीय सम्मलेन के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि सर्वादेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश ने महर्षि दयानंद को युग दृष्टा बताया। स्वामी आर्यवेश ने कहा कि स्वामी दयानंद वो क्रांतिकारी संत थे, जिन्होंने संस्कार विधि के जरिए मानवाता को दिशा दी। जातिगत भेदभाव, स्त्री समाज के प्रति अन्याय के खिलाफ अलख जगाने में स्वामी दयानंद की महत्वपूर्ण भूमिका रही, ऐसा उनका कहना था। उन्होंने कहा कि स्वामी दयानंद के विचार एवं मूल्य आज भी प्रासंगिक हैं।

नैतिक मूल्यों तथा संस्कारों के निर्माण में महर्षि दयानंद सरस्वती का अतुलनीय योगदान: वीसी

एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि ज्ञान-विज्ञान के साथ-साथ नैतिक मूल्यों तथा संस्कारों के निर्माण में महर्षि दयानंद सरस्वती का अतुलनीय योगदान है। दयानंद के जीवन तथा दर्शन को समाज में प्रचारित-प्रसारित करने के उद्देश्य से एमडीयू में महर्षि दयानंद एवं वैदिक अध्ययन केन्द्र तथा योग अध्ययन केन्द्र की स्थापना की गई है। कुलपति ने इन केन्द्रों हेतु भव्य भवन के निर्माण की घोषणा इस अवसर पर की। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में महर्षि दयानंद सरस्वती के जीवन एवं दर्शन को मूर्त रूप दे रहा है। कार्यक्रम में पद्मश्री आचार्या सुकामा, गुरूकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार के पूर्व कुलपति प्रो. सुरेन्द्र कुमार तथा डॉ. सतीश प्रकाश, प्राचार्य, महर्षि दयानंद गुरूकुल, न्यूयार्क, यूएसए ने बतौर विशिष्ट अतिथि एवं वक्ता भाग लिया। पद्मश्री आचार्या सुकामा ने स्त्री शिक्षा के प्रोत्साहन के लिए महर्षि दयानंद के योगदान को, डॉ. सतीश प्रकाश ने महर्षि दयानंद सरस्वती के प्रेरणादायी लेखन पर तथा प्रो. सुरेन्द्र कुमार ने स्वामी दयानंद सरस्वती के शिक्षा क्षेत्र के योगदान पर विचार साझा किए।

कई वक्ताओं ने भाग लिया

कार्यक्रम में पद्मश्री आचार्या सुकामा, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार के पूर्व कुलपति प्रो. सुरेन्द्र कुमार तथा डॉ. सतीश प्रकाश, प्राचार्य, महर्षि दयानंद गुरूकुल, न्यूयार्क, यूएसए ने बतौर विशिष्ट अतिथि एवं वक्ता भाग लिया। पद्मश्री आचार्या सुकामा ने स्त्री शिक्षा के प्रोत्साहन के लिए महर्षि दयानंद के योगदान को, डॉ. सतीश प्रकाश ने महर्षि दयानंद सरस्वती के प्रेरणादायी लेखन पर तथा प्रो. सुरेन्द्र कुमार ने स्वामी दयानंद सरस्वती के शिक्षा क्षेत्र के योगदान पर विचार साझा किए।

कार्यक्रम चार दिवसीय फैसिलिटी बेस्ड न्यूबॉर्न केयर कॉन्फ्रेंस का अंतिम दिवस

गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व देखभाल प्रदान करना हमारा कर्तव्य

शिशु मृत्यु दर कम करने में जागरूक आमजन भी निभा सकता है अहम भूमिका : एसके सिंघल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

चिकित्सा जगत से जुड़ा ज्ञान वह चीज है जिसको हम जितना अधिक बांटें उससे उतना ही समाज का भला होता है। नर्सिंग स्टाफ किसी भी अस्पताल में ही नहीं समाज में भी अपने ज्ञान का प्रचार प्रसार करके अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है। यह कहना है पीजीआइएमएस रोहतक के निदेशक डॉक्टर एस के सिंघल का। वे नियोनेटोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित चार दिवसीय फैसिलिटी बेस्ड न्यूबॉर्न केयर कॉन्फ्रेंस के अंतिम दिवस पर मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित हुए थे। इस अवसर पर पूरे प्रदेश से आए सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट वितरित करते हुए निदेशक डॉ एस के सिंघल ने कहा कि आज हम सभी को यहां से यह प्रण लेकर जाना है कि हमने इन चार दिनों में जो कुछ यहां पर सीखा है वह हम जाकर अपने आस पड़ोस व अस्पताल में तैनात अन्य स्टाफ को भी सिखाएंगे ताकि वे भी नवजात शिशु की जान बचाने में अपना अहम योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि नर्सिंग स्टाफ अस्पताल के अंदर एक गर्भवती महिला के पास सबसे ज्यादा समय व्यतीत करती है तो ऐसे में हमें समय निकालकर प्रत्येक महिला को विस्तार से शिशु की देखभाल करने के बारे में समझना चाहिए ताकि किसी प्रकार की कोई लापरवाही की उम्मीद ना रहे और प्रदेश में शिशु मृत्यु दर को कम करने में मदद मिल सके। डॉक्टर एस के सिंघल ने कहा कि शिशु मृत्यु दर कम करने के लिए हमारा प्रयास होना चाहिए की गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं को स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना। इसके साथ ही गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व देखभाल प्रदान करना और उनकी स्वास्थ्य स्थिति की निगरानी करना भी हमारा कर्तव्य है। हमें आमजन को बताना चाहिए कि कैसे नवजात शिशुओं को उचित देखभाल प्रदान करना, जैसे कि वैक्सीनेशन, पोषण और स्वास्थ्य जांच कितनी महत्वपूर्ण होती है। डॉ एस के सिंघल ने बताया कि यह मिनिस्ट्री ऑफ़ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर भारत सरकार का एनएचएम के माध्यम से चलाया जा रहा बहुत ही महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है ताकि नवजात शिशु में मृत्यु दर कम हो सके।

विभिन्न बीमारियों के बारे में दी जानकारी

नियोनाटोलॉजी विभाग अध्यक्ष डॉ जगजीत दलाल ने बताया कि उनका प्रयास रहा है कि इन चार दिनों में चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मचारियों को आईसीयू में गंभीर शिशुओं की देखभाल में सक्षम बनाया जाए ताकि वे शिशु मृत्यु दर कम करने में प्रभावी भूमिका निभा सकें। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें यह भी समझाया गया है कि कैसे समुदाय की भागीदारी को बढ़ावा देना है ताकि वे शिशु मृत्यु दर कम करने में अपनी भूमिका निभा सकें। उन्होंने बताया कि ट्रेनिंग के दौरान सभी प्रतिभागियों को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा तैयार किए गए एक मैन्युअल को भी प्रदान किया गया है जिसमें विभिन्न बीमारियों के बारे में विस्तार से इलाज एवं अन्य उपकरणों की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया गया है। डॉ जगजीत ने कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि अब सभी प्रतिभागी अपने अस्पतालों में जाकर गंभीर शिशुओं की आईसीयू में जान बचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकेंगे। इस अवसर पर डॉक्टर शिखा , डॉ सतीश, डॉ योगेश, डॉ मुकेश सहित अन्य दर्जनों प्रतिभागी भी उपस्थित थे।

वीसी ने वॉल मुराल का लोकार्पण किया

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के दृश्य कला विभाग में महर्षि दयानंद सरस्वती के जीवन तथा योगदान पर केंद्रित विस्तृत 'वॉल मुराल' (दीवार चित्रकारी) को आज विश्वविद्यालय को समर्पित किया गया। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने इस वॉल मुराल का लोकार्पण किया। दृश्य कला विभाग के अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार तथा उनकी टीम द्वारा चित्रित तथा तैयार की गई इस विशाल कलात्मक अभिव्यक्ति में स्वामी दयानंद की तस्वीर समेत सामाजिक क्षेत्र में उनके योगदान की सुंदर, प्रेरक प्रस्तुति दी है। इस चित्रकारी कार्य में प्राध्यापक प्रवीण तथा 9 विद्यार्थी भी शामिल रहे। इस चित्रकारी में बाल विवाह रोकथाम, छुआछूत रोकथाम, विधवा विवाह, नारी शिक्षा, सत्यार्थ प्रकाश लेखन, जातिवाद रोकथाम, समावेशी समाज क्षेत्र में स्वामी दयानंद के योगदान को दर्शाया गया है। विभागाध्यक्ष डॉ. संजय कुमार ने बताया कि चार महीने की कड़ी मेहनत से यह वॉल मुराल तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि इस कलात्मक अभिव्यक्ति का उद्देश्य स्वामी दयानंद के जीवन एवं दर्शन को आमजन के समक्ष लाना है। एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने दृश्य कला विभाग के अध्यक्ष और उनकी टीम को इस शानदार रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस तरह का प्रयास व्यावहारिक शिक्षण को परिलक्षित करता है। कुलपति ने अपने स्वैच्छिक आर्थिक निधि से इस टीम को 21 हजार रुपए प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की।

स्वास्थ्यवर्धक है लस्सी

भारतीय ग्रामीण खान-पान में लस्सी खास अहमियत रखती है। लस्सी में कैल्शियम, विटामिन डी, और लैक्टिक एसिड होता है। यह हड्डियों को मज़बूत करती है, दांतों का स्वास्थ्य बेहतर करती है, और प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाती है। लस्सी में प्राकृतिक शीतलन गुण होते हैं, जो शरीर के तापमान को कम करने में मदद करते हैं। हालांकि अब ज्यादातर युवा लस्सी के स्थान पर बाजार में बिकने वाली कोल्ड ड्रिंक को महत्व देने लगे हैं, जबकि कोल्ड ड्रिंक स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक पेय पदार्थ है।

ग्रामीण जनजीवन पर शहरीकरण हावी

- हरियाणवीं रीति-रिवाजों व खानपान पर पड़ रहा आधुनिकता का असर
- यातायात, इंटरनेट, दूरसंचार और वैश्विकरण ने ग्रामीणों के विचारों और कामकाज को किया है प्रभावित

आधुनिकता

राज कुमार नरवाल

हरियाणा में शिक्षा का प्रचार-प्रसार बढ़ा है। सड़कों की हालत में काफी सुधार हुआ है। जगह-जगह नए-नए राष्ट्रीय राजमार्ग बन गए हैं। लोगों को एक जगह से दूसरी जगह पर जाने में अब बहुत ही कम समय लगने लगा है। इंटरनेट व मोबाइल फोन की वजह से हरियाणा के लोग विदेश में बैठे लोगों से भी संपर्क में हैं। पढ़-लिखकर गांवों में रहने वाले परिवारों के बच्चों के विचारों में भी फर्क आया है। वे अब मल्टीनेशनल कंपनियों में काम करने लगे हैं। देश और विदेश में नौकरियां कर रहे हैं।

हरियाणा के गांवों में बसने वाले लोग अब केवल खेती पर ही निर्भर नहीं रहे हैं। सरकारी और प्राइवेट नौकरियों में काम कर रहे हैं। खुद के उद्योग लगा रहे हैं। अब वैश्विकरण का असर हरियाणा के गांवों पर भी पड़ा है। अब कोई भी देश दूर नहीं लगता। देश में हवाई अड्डों की संख्या बढ़ गई है। पहले जहां अपने देश में ही किसी दूसरी जगह पर जाने में कई कई दिन लग जाते थे लेकिन अब कुछ घंटों में ही एक राज्य से दूसरे राज्यों में पहुंच रहे हैं। इस सबका असर गांवों में बसने वाले लोगों पर भी पड़ा है। यहां का खान-पान व रहन-सहन और संस्कृति बदल गए हैं।

यहां पहले वाले रीति-रिवाज भी नहीं रहे। दरअसल, अब गांवों में भी शहरों जैसा ही रहन-सहन और खान-पान हो गया है। विश्वभर में हमारे नौजवान व्यापार व रोजगार के लिए पहुंच रहे हैं। वे विदेशी मेम को शादी करके गांव में ला रहे हैं। लड़कियों की कमी के चलते बहुत से युवाओं की शादी नहीं हो रही। इस कारण यहां के नौजवान बिहार व देश के अन्य राज्यों से बहुएं ला रहे हैं। बाहर से आने वाली इन बहुओं को हरियाणवीं संस्कृति का ज्ञान नहीं है। पढ़ाई के लिए शहरों में जाने वाले युवक-युवतियां अब देसी खान-पान छोड़कर चटपटा खान-पान अपना रहे हैं।

डिब्बाबंद वस्तुओं का प्रचलन बढ़ गया है। हर साल गांवों से कुछ परिवार खेती किसानी और पशुपालन का धंधा छोड़ रहे हैं। पहले गांवों में बसने वाले किसान दूध व घी बेचते नहीं थे। अब गांवों में भी लोगों को घी दूध और लस्सी के लाले पड़ गए हैं। ब्याह शादी व त्योहारों से जुड़े रीति-रिवाज खत्म होते जा रहे हैं। नई परंपराएं शुरू हो रही हैं। पुरानी परंपराएं छूट रही हैं। ब्याह शादी में जो सादा खाना होता था, अब तरह-तरह के पकवान बनने लगे हैं। देसी घी की बजाए अब वनस्पती घी और रिफाइंड का इस्तेमाल ब्याह में पकवान बनाने में होने लगा है।

डीजे की धमक पर थिरक रहे युवा

शादी के समय शहनाई या परंपरागत बाजा बजाया जाता था। अब नई पीढ़ी डीजे की धमक पर थिरक रही है। गांव में बसने वाले लोग आरामपरस्त हो गए हैं। वे भी एसी गाड़ियों में चलते हैं और गांवों में भी अब वातानुकूलित उपकरण पहुंच गए हैं। शहरों की तरह ही अब लोग घरों में ही रहते हैं। गलियों में एक-दूसरे के पास बैठकर अब कम ही बातचीत करते हैं। गर्मियों में तो गांवों की गलियां पूरी तरह सुनसान रहने लगी हैं। किसी जमाने में गांवों की गलियां दिनभर गुलजार रहती थी। शहरों में पढ़ाई करने वाले नौजवान युवक-युवतियों का आचार-विचार शहरों जैसा ही हो गया है। बहुएं भी पढ़-लिखकर नौकरीपेशा हो गई हैं। इस कारण अब गांवों में महिलाएं खेतों में कम और बाहर नौकरी करने के लिए अधिक संख्या में जाती हैं।

अब रात को नहीं रुकते रिश्तेदार

छुट्टियों में बच्चे अपनी माताओं के साथ ननिहाल में जाते थे। लेकिन अब बच्चों पर पढ़ाई का इतना बोझ हो गया है कि ट्यूशन आदि के चक्कर में वे ननिहाल नहीं जा पाते। लगभग प्रत्येक व्यक्ति के पास अपना वाहन हो गया है और साफ सुथरे रोड बने हैं। इस वजह से अब लोग अपनी रिश्तेदारी में रुकने की बजाए रात तक अपने घर पहुंचना ही उचित समझते हैं। पहले यातायात साधनों का अभाव था। शाम तक घर लौटना मुमकिन नहीं होता था। अब लोग रिश्तेदारी में नहीं रुकते।

घर द्वार पर पहुंचने लगा सामान

जरूरत का सामान बेचने वाली कंपनियों ने अब गांवों तक भी अपनी पहुंच बना ली है। सबकुछ सामान की ऑनलाइन बिक्री हो रही है। कूरियर कंपनियों में कार्यरत युवा गांवों में भी सामान पहुंचा रहे हैं। ग्रामीण कभी-कभार ही सामान लेने के लिए बाजार जाते थे। अब तकरीबन सामान घर के आगे ही बिक्री के लिए पहुंच रहा है। गाड़ियों में लोग आवाज लगाकर सामान बेच रहे हैं। सब्जियां तक वाहनों में घरद्वार पर बिकने लगी हैं।

शीत-राबड़ी की जगह कोल्ड ड्रिंक

गांवों में दूध, शीत, राबड़ी, दलिया और लाप्सी जैसे खान-पान होते थे। लेकिन अब उनकी जगह कोल्ड ड्रिंक ने ले ली है। बोतलों में विभिन्न कंपनियों के ठंडे पेय पदार्थ अब यहां भी प्रयोग होने लगे हैं। कभी गांव के लोगों को चाय के स्वाद का पता तक नहीं होता था लेकिन अब गांवों के लोग जमकर चाय पीते हैं और कॉफी भी गांवों में पी जाने लगी है।

इसके अतिरिक्त, पहले गांवों में बच्चों के लिए तरह तरह के खेल-तमाशे होते थे। उदाहरण के तौर पर जादू के खेल, बंदर व भालू के खेल और चित्र दिखाने के लिए बारहमन की धोबण आदि अनेक तरह के खेल तमाशे होते थे। अब ये सब खत्म हो गए हैं। बड़ों के लिए सांग, रामलीला और रागनियों के कार्यक्रम होते थे। लेकिन अब वे पुराने कहानी और किस्से सुनने और सुनाने वाले ही नहीं रहे।

कविता

कुमार

परिवार और समाज

परिवार सै पहली पाठशाला,
संस्कारां की में मिले उजाला।
मां-बाप सिखावें चाल सिधी,
सच्चाई अर मेहनत की रीत गहरी।

परिवार बिना जीवन अधूरा,
हर भी सुख भी लागे मजबूरा।
भाई-बहन का प्यार न्यों,
सावन में बरसात की ज्यों।

बूढ़े दादा-दादी का साया,
उनकी सीख में सब पाया।
वो अनुभव का सच्चा ज्ञान,
रखै परिवार की साख महान।

मिल-जुल रहणा परिवार सिखावे,
बड़ों की इज्जत, छोट्यां तै प्यार करावे।
हर रिश्ते में अपनापन होवे,
दिल में सच्चा सम्मान होवे।

समाज सै इंसान की पहचान,
इसी में बसै सारी शान।
मिलकै रहें, मिलकै बढ़ें,
सुख-दुख में संग रहें।

समाज बिना ना कोई अकेला,
हर कोई लागे एक दूजे का चेला।
बड़े-बुजुर्ग का काम समझावणा,
सच्चे न्याय के राह दिखावणा।

शिक्षा, सेवा अर सहयोग,
समाज में रहकै मिलै ये योग।
नेकी करै अर बात सिधी,
समाज बनावै जिंदगी ऊंची।

एकता, प्रेम अर भाईचारा,
समाज का सच्चा उजियारा।
ईमानदारी अर आदर की डोर,
इसी में बसै समाज का जोर।

जो हो परिवार समाज का संग,
तो 'कुमार' जिंदगी स मीठा रंग।
इनके बिना अधूरा जीवन,
इनमें ही सच्चा सुख-दर्शन।

रागनी

सत्यवीर नाहड़िया

हरियाणे की बोली धाकड़...

भास्सा बरगी भोत पुराणी,जाणै दुनिया सारी।
हरियाणे की बोल्ली धाकड़,जग म्हं गुँज्जै न्यारी।।

कोय हरियाणवी कह दे अर कह कोये हरयाणी।
जितनी बोल्ली सैं दुनिया म्हं,उन म्हं आग्गै पाणी।
गीत-रागणी कथा-कहाणी,छप ल्यी इस म्हं भारी।
हरियाणे की बोल्ली धाकड़,जग म्हं गुँज्जै न्यारी।।

जुगां-जुगां तै इस बोल्ली नै चोक्खी साख बणाई।
बोल्लीबुड लग इस बोल्ली नै,अपणी धाक जमाई।
हिंदी माई की या माई,न्यूँ नान्नी सै म्हारी।
हरियाणे की बोल्ली धाकड़,जग म्हं गुँज्जै न्यारी।।

कितै बाँगरू कितै बागड़ी,रूप खादरी ध्यावै।
कितै मिवाती कितै कौरवी,कितै बिरज रै छावै।
कितै हीरबाट्टी रै पावै,लटक सभी की प्यारी।
हरियाणे की बोल्ली धाकड़, जग म्हं गुँज्जै न्यारी।।

साँग निराळे इस म्हं गुँज्जे,आज तलक न्यूँ कड़कै।
भास्सा बणकै रह या बोल्ली,आज नहीं तै तड़कै।
कह 'नाहड़िया' दिल म्हं धड़कै,माँ-बोल्ली लयकारी।
हरियाणे की बोल्ली धाकड़,जग म्हं गुँज्जै न्यारी।।

कविता

डा. विकास यशकीर्ति

विश्व कै नक्शै पै छाया

देवभूमि सै या म्हारी,
सै हरि का आणा जाणा।
विश्व कै नक्शै पै छाया,
सै मेरा प्यारा हरियाणा।।

शान आपणी बोरला सै,
और बावन गज का दामण।
नाक तोड़े सासुआ का,
झूल कै हाम पूरा सामण।
वेद आयुर्वेद म्हारा ही रहा मंतर पुराणा।।
विश्व कै नक्शे पे...

बांध कै ऊंची सी पगड़ी,
हाथ मैं ले कै नै लाठी।
जूतियां की चरचराहट,
लांबी तगड़ी कद ओ काठी।।
देख कै नै म्हारा टोरा,
कौन लांघेगा सीमाणा।।
विश्व कै नक्शे पे...

मोरनी हिल स्वर्ग जैसी,
बण गई पहचान आपणी।
बन गई कुरुक्षेत्र नगरी,
आन बानो शान आपणी।।
युग युगा सै ही रहा सै,
देवताओं का ठिकाणा।।
विश्व के नक्शे पै सै छाया...

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

इतिहास

मराठों ने अपने विश्वासपात्र सैन्य अधिकारी आयरलैंड वासी जॉर्ज थॉमस को झज्जर क्षेत्र जागीर के तौर पर वर्ष 1794 में दे दी थी

दो शताब्दी पूर्व भी बनाया गया था हरियाणा राज्य

रोचक

यशपाल गुलिया

यह पढ़कर पाठकों को बड़ा आश्चर्य होगा कि लगभग 230 वर्ष पहले भी एक बार हरियाणा नामक स्वतन्त्र राज्य स्थापित किया गया था, जब दिल्ली बादशाह शाहआलम मराठों के संरक्षण में था तो मराठों ने अपने विश्वास पात्रों को जागीर प्रदान की थी। उसी क्रम में उन्होंने अपने एक सैन्य अधिकारी को झज्जर क्षेत्र जागीर के तौर पर वर्ष 1794 में दे दी थी। वह अधिकारी मूल रूप से आयरलैंड वासी जॉर्ज थॉमस था।

झज्जर मुगल काल से ही एक शासकीय परगना बना रखा था। उस आयरलैंड वासी जॉर्ज थॉमस ने झज्जर ग्रहण करते ही कड़ाई से भूमिकर वसूलना आरम्भ कर दिया तथा एक दो-वर्षों में ही अपनी एक सेना गठित कर ली। वर्ष 1795-96 में उसने लगान न देने के कारण बेरी वासियों पर बल का प्रयोग किया। लेकिन बेरी वासियों ने अपनी गढ़ी में इकट्ठे होकर जॉर्ज की सेना के साथ एक दिन का रक्त रंजित युद्ध किया। उसके बाद जॉर्ज ने झज्जर से पांच मील की दूरी पर एक नया किला बनाकर सैन्य शक्ति बढ़ा ली। उस किले का नाम अपने नाम पर जॉर्जगढ़ रखा जहां आजकल जहाजगढ़ गांव बसा हुआ है। फिर जॉर्ज थॉमस एक शक्तिशाली देशी शासक के तुल्य बन गया और अपना क्षेत्र बढ़ाने पर आमादा हो गया। इस प्रकार वह मराठों से भी स्वतन्त्र होने लगा और सैन्य शक्ति के बूते से महम, हांसी, हिसार से भी आगे तक क्षेत्र पर अधिकार कर बैठा। लेकिन झज्जर व बेरी क्षेत्र के

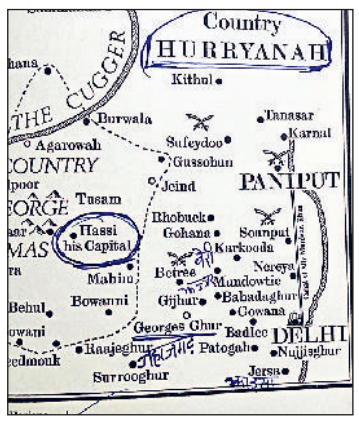

निवासियों के उत्पाति तेवर देकर उसने अपना मुख्यालय भी हांसी के प्राचीन किले में स्थापित कर लिया। इस प्रकार जॉर्ज थॉमस ने वर्ष 1797 के आस-पास अपना पूर्णतया स्वतन्त्र राज्य घोषित कर दिया। आयरलैंड की तर्ज पर नये राज्य का नाम ग्रीनलैंड अर्थात हरियाणा रख दिया। इसका क्षेत्र दिल्ली सूबे की सीमा से आरम्भ होकर फतेहाबाद तक 800 गांवों का था। हरियाणा

230 साल पहले हरियाणा के राजा जॉर्ज थॉमस तथा उन द्वारा स्थापित हरियाणा का नक्शा। इसमें राजधानी हांसी दिखाई गई है।

राज्य स्थापित करके जॉर्ज थॉमस ने हांसी को नये राज्य की राजधानी बना लिया। जॉर्ज की जीवनी तथा अन्य अंग्रेजों द्वारा लिखी गई पुस्तकों में तत्कालीन हरियाणा का मानचित्र स्पष्ट दिया गया है। इसमें राजधानी हांसी भी लिखा गया है। हांसी मुख्यालय बनाने के बाद जॉर्ज आस-पास के सिख राज्यों जैसे जीन्द, कैथल व पटियाला तक धावे बोलने लग गया। सिख शासकों के साथ जॉर्ज ने कई बार युद्ध भी किए थे तथा अपने नाम से मुद्रा-सिक्के भी चलाए थे। वर्ष 1799 के आस-पास जॉर्ज ने एक बड़ी सेना इकट्ठी कर ली थी जिसके झज्जर के किले जॉर्जगढ़ व हांसी के किलों में पड़ाव लगाए थे।

स्वयं जॉर्ज ने अपने लिए एक कोठी हिसार में बनवाई थी जो आज तक यथावत है। उस कोठी को जहाज कोठी के नाम से जाना जाता है लेकिन जॉर्ज के इतना शक्तिशाली हो जाने तथा स्वतन्त्र शासक बन जाने पर मराठों को दिल्ली के लिए भी खतरा प्रतीत होने लगा। तब उनके फ्रान्सीसी सेनापति जरनल पैरो ने जॉर्ज पर आक्रमण कर दिया। अक्तूबर 1801 में वर्तमान जहाजगढ़ वाले स्थान पर भीषण युद्ध आरम्भ हो गया।

जॉर्ज थॉमस व उसके तीन यूरोपियन सेनापतियों ने मराठा सेना से महीनेभर तक युद्ध किया। बेरी, मोहम्मदपुर माजरा, पलडा व भारावास की थली क्षेत्र में युद्ध होता रहा। अन्त में जॉर्ज 10 नवम्बर 1801 की रात को हांसी पलायन कर गया। वहां भी मराठा सेना पीछा करती हुई 21 नवम्बर को पहुंच गई। फिर लगभग 15 दिनों तक जॉर्ज ने हांसी में भी युद्ध किया।

अन्ततः दिसम्बर 1801 में हरियाणा के राजा कहलाने वाले जॉर्ज थॉमस ने मराठा सेना के सामने सशर्त समर्पण कर दिया। फिर अपने देश आयरलैंड को जाते हुए मार्ग में ही अगस्त 1802 में ही जॉर्ज का निधन हो गया। आश्चर्यजनक रूप से हरियाणा संस्थापक व उपरोक्त भीषण युद्धों को विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम में शामिल नहीं किया गया। जॉर्ज की भारतीय पत्नी ने उसके साथ आयरलैंड जाने से इनकार कर दिया था। इसलिए अपने बीवी-बच्चों को कुछ धनराशी देकर जॉर्ज बेगम समरु के पास सरधना में छोड़ गया था। वह आयरलैंड के टिपरेरी प्रान्त का मूल निवासी था, जो 1781 में मद्रास पहुंच गया था।

हास्य कला में छिपे हैं समाजोत्थान के संदेश : रेणू दूहन

कलाकार

ओ.पी. पाल

हरियाणा की लोक कला एवं संस्कृति को जीवंत रखने की दिशा में लेखक, लोक कलाकार, गीतकार अलग-अलग विधाओं में अपनी कलाओं की अलख अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जगाने में जुटे हुए हैं। ऐसे ही कलाकारों में युवा महिला कलाकार रेणू दूहन सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों और संस्कृति के साथ सामयिक घटनाओं पर आधारित लेखन तथा लोक कला के प्रदर्शन से खासकर युवा पीढ़ी को नई दिशा देने का प्रयास करती आ रही हैं। कविता के साथ अभिनय, हास्य-व्यंग्य तथा मिमिक्री से पहचान बनाने वाली कलाकार रेणू दूहन ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कुछ ऐसे पहलुओं का जिक्र किया है, जिसमें उन्होंने समाज कल्याण और संस्कृति के संवर्धन में कलाकारों की अहम भूमिका निभाने का संदेश दिया है। रेणू दूहन का जन्म 17 अक्टूबर 1995 को हिसार जिले के गांव पेटवाड़ में रमेश दूहन और वीना दूहन के घर में हुआ। जब वह पांच साल की थी, तो उनका परिवार जींद आकर रहने लगा। उनके घर में किसी प्रकार का साहित्य या सांस्कृतिक माहौल नहीं था। उनके पिता और भाई व्यापार करते हैं। तीन भाई-बहनो में उसका भी एक लड़के की तरह पालन पोषण किया गया। किसी बात में या कुछ भी करने से पहले उसे कभी यह महसूस नहीं होने दिया कि वह एक लड़की है। इन्हें बचपन से ही लोक अभिनय में अभिरुचि रही, लेकिन उनके परिवार वालों को उनका कला के क्षेत्र में भागीदारी करना अच्छा नहीं

लगा। बकौल रेणू दूहन बचपन से ही उन्हें मंच का बहुत शौक था। स्कूल में हर शनिवार को होने वाली बाल सभा में उन्हें एंकर बनाया जाता था। उन्होंने कई बार कविता, निबंध लेखन, नाटक, नृत्य आदि में भागीदारी की। जब वह कालेज में पढ़ रही थी तो उनकी कला को देखकर कई शिक्षिकाओं ने उन्हें इस दिशा में प्रोत्साहित करके मदद की। रत्नावली फेस्टिवल में अपने कॉलेज से वही जाती थी। उसने अपने चाचा की मदद से कविता लिखी, जो राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान पर रही। इससे उनका लोक साहित्य के प्रति आत्मविश्वास बढ़ा। इसी से प्रेरित होकर साल 2015 से उसने लिखना शुरू किया। रेणू दूहन हास्य व्यंग्य और कविताएं भी लिखती हैं तो उनके इस हास्य में भी समाज के लिए कुछ न कुछ ऐसे संदेश छिपे होते हैं जो नशे की तरफ जाते आज के युवाओं को जागरूक करके उन्हें सही राह दिखाने का काम करते हैं। उनके लेखन, अभिनय या फिर हास्य व्यंग्य का फोकस समाज को सकारात्मक ऊर्जा देने की दिशा में ही रहा है, ताकि खासकर युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति की मूल जड़ों से जुड़ी रहे। थिएटर कार्यशाला के अलावा रेणू यूथ फेस्टिवल में भी हिस्सेदारी करती रही हैं और कॉलेज कार्यशाला में नई प्रतिभाओं को भी लोक कला व संस्कृति के प्रति उन्हें प्रशिक्षण देने का काम किया है। इस आधुनिक युग में लोक कला और संस्कृति के सामने आ रही चुनौतियों को लेकर उनका कहना है कि यदि हम समाज के लिए अच्छा नहीं कर रहे या लिख रहे हैं तो हमारी लेखनी का कोई फायदा नहीं।

ये मिले पुरस्कार

रेणू दूहन को स्कूल व कालेज की शिक्षा के दौरान ही कविता व चुटकुले आदि लिखने और नुक्कड नाटक करने, रंगमंच के लिए राज्य स्तर पर दो बार चुटकुलों के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अभिनय के क्षेत्र में रत्नावली फेस्टिवल में राज्य स्तर पर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार से नवाजा गया। निबंध प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर प्रथम पुरस्कार और कविता लेखन में द्वितीय व तृतीय पुरस्कार भी हासिल किए हैं।

ऐसे मिली करियर को मंजिल

हास्य कलाकार रेणू दूहन ने बताया कि अभिनय के क्षेत्र में वह पहले से ही अभिरुचि रखती थी। उनका पहला यूट्यूब वीडियो बहन-भाई का प्यार रक्षाबंधन को लेकर था, जिसमें उसने बहन का किरदार निभाया। ऐसे वीडियो में वह लगातार बहन की ही भूमिका में अभिनय कर रही हैं। वह कुरुक्षेत्र के रत्नावली, नुक्कड़ नाटक आदि में हिस्सा लेती रही। उन्होंने हरियाणवी फिल्म 'बहू काले की' में बहन का किरदार निभाया है। वहीं, वेबसीरिज डिजिटल ताई के अलावा स्टेज एप पर करीब एक दर्शन स्टैंडअप कॉमेडी शो किए हैं। पांच सालों से वे अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव कुरुक्षेत्र में भी अपनी कला के रंग बिखेर रही हैं। स्टेज एप ओटीटी के लिए उनके पहले स्टैंडअप कॉमेडी शो के रिलीज होने के 3-4 दिन में ही उसे लाखों लोगों ने देखा। इससे लोकप्रियता मिली। हास्य कलाकार रेणू दूहन ने साल 2019 में आस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में भी अपनी कला का प्रदर्शन करके हरियाणवी संस्कृति की अलख जगाई है। रेणू का कहना है कि हमारा कंटेंट ऐसा होना चाहिए जो पूरा परिवार एक साथ मिलकर देख सके। कई बार आज का युवा लोकप्रिय होने के लिए कुछ भी करने को तैयार है तो कि बहुत गलत है।

खबर संक्षेप

दिन-दहाड़े मोबाइल नकदी-जेवरात चोरी

सोनीपत। मोहाना थाना क्षेत्र के गांव माहरा में दिन-दहाड़े घर से जेवरात, मोबाइल फोन व नकदी के चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।गांव माहरा निवासी अंजित ने बताया कि वह 22 फरवरी को करीब दो बजे वह घर पर सो रहा था।

सामान खरीदने आए युवक की बाइक चोरी

सोनीपत। कुंडली थाना क्षेत्र के जाटी मोड़ पर सामान खरीदने आए युवक की बाइक चोरी हो गई। पीड़ित ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस बाइक चोर का पता लगाने के लिए क्षेत्र में लगे सीसीटीवी की रिकार्डिंग खंगाल रही है। ताकि कोई सुराग हाथ लग सके। वहीं मोहाना थाना क्षेत्र में प्लॉट के बाहर से बाइक के चोरी होने का मामला सामने आया है।

हर्ष फायरिंग के दौरान फोटोग्राफर घायल

सोनीपत। मुरथल थाना क्षेत्र में हर्ष फायरिंग के दौरान फोटो खींच रहे फोटोग्राफर को गोली लग गई। गोली लगने के बाद वह बेहोश हो गया। गंभीर हालत के चलते उसे निजी अस्पताल में लाया गया।

पांच दिवसीय जिला स्तरीय युवा रेड क्रॉस संपन्न

सांपला कॉलेज के डॉ. दीपक लठवाल को चुना सर्वश्रेष्ठ वाईआरसी काउंसलर

समापन सत्र में डॉ. मुकेश अग्रवाल, महासचिव, भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी, चंडीगढ़ ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के यूथ रेड क्रॉस समिति द्वारा जिला रेड क्रॉस सोसायटी, रोहतक के सहयोग से सीडीओई सेमिनार हॉल में आयोजित पांच दिवसीय जिला स्तरीय युवा रेड क्रॉस संपन्न हो गया। समापन सत्र में डॉ. मुकेश अग्रवाल, महासचिव, भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी, चंडीगढ़ ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। डॉ. अग्रवाल ने मानवीय सरोकारों से युवाओं को जोड़ने के लिए युवा रेड क्रॉस के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने वाईआरसी वालंटियर्स को सामुदायिक सेवा में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया और एक जिम्मेदार समाज को आकार देने में निस्वार्थ सेवा के महत्व पर जोर दिया।

डॉ. दीपक लठवाल राजकीय महाविद्यालय, सांपला को सर्वश्रेष्ठ वाईआरसी काउंसलर (पुरुष) तथा डॉ. दीपिका यादव, वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय, बहादुरगढ़ को सर्वश्रेष्ठ वाईआरसी काउंसलर (महिला) चुना गया। पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता में ज्योति सैनी (माइक्रोबायोलॉजी विभाग), एमडीयू ने प्रथम, कीर्ति बीए एलएलबी ऑनर्स (कानून विभाग), एमडीयू ने दूसरा तथा दक्ष (सरकारी कॉलेज, बादली) और प्रीति (बीए अंतिम वर्ष) एमकेजेके कॉलेज, रोहतक ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

भाषण में अनुष्का अव्वल

भाषण प्रतियोगिता में अनुष्का (पं. एनआरएस कॉलेज, रोहतक) प्रथम, नितिका नासा (सियास्टे, झज्जर) दूसरे तथा कीर्ति बी.ए. एलएलबी ऑनर्स (कानून विभाग), एमडीयू तीसरे स्थान पर रही। लकी स्टार प्रतियोगिता में तन्नु, वैश्य आर्य शिक्षण कॉलेज बहादुरगढ़ ने प्रथम, हिमांशु ने दूसरा तथा भव्या, पं. एनआरएस कॉलेज रोहतक ने तीसरा स्थान पाया। यूटीडी, एमडीयू के अमन को पुरूष वर्ग में तथा राजकीय महिला कॉलेज की नेहा को महिला वर्ग में सर्वश्रेष्ठ वाईआरसी स्टूडेंट कोआर्डिनेट चुना गया। एमडीयू के वाणिज्य विभाग के मोहम्मद शाकिर को सर्वश्रेष्ठ युवा पुरूष वर्ग तथा फार्मेसी विभाग, एमडीयू की पलक को सर्वश्रेष्ठ युवा महिला वर्ग में चुना गया।

विजेताओं को पुरस्कृत किया

अधिष्ठाता छात्र कल्याण और खेल निदेशक प्रो. रणदीप राणा ने समापन सत्र की अध्यक्षता की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. राणा ने वाईआरसी वालंटियर्स को टीम वर्क, नेतृत्व, सहानुभूति और अनुशासन के मूल्यों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने इस तरह के सार्थक कार्यक्रम के आयोजन के लिए यूथ रेड क्रॉस की सराहना की और वालंटियर्स से सामाजिक कल्याण के लिए अपना योगदान जारी रखने का आह्वान किया। वाईआरसी प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर प्रो. अंजू धीमान ने स्वागत भाषण दिया और शिविर में आयोजित की गई गतिविधियों का ब्यौरा दिया। वाईआरसी काउंसलर डॉ. कविता ने मंच संचालन किया। जिला रेड क्रॉस सोसायटी, रोहतक के सचिव श्याम सुंदर ने समन्वयन एवं संचालन सहयोग दिया। कार्यक्रम का संचालन वाईआरसी काउंसलर डॉ. कपिल मल्होत्रा और डॉ. धीरज खुराना ने किया तथा वाईआरसी स्टूडेंट कोऑर्डिनेटर मोहम्मद शाकिर और नेहा गुप्ता ने आयोजन सहयोग दिया। प्रो. अंजू धीमान ने बताया कि समापन सत्र में शिविर में आयोजित विभिन्न गतिविधियों के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

हेल्थ चेकअप कैंप में 154 की सेहत जांची

■ वैद्य केसरदास सेवा समिति ने करवाया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

वैद्य केसर दास सेवा समिति की तरफ से फ्री हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन सावन बैंकट हाल के सामने सामान्य हस्पताल के सहयोग से किया गया। समिति के संचालक राजेश सिंधवानी ने बताया कि सामान्य अस्पताल से डॉ. उज्वल, डॉ. प्रमोद कुमार एवं एएनएम, सविता एवं राजरानी लैब टेक्निशन अमित हुड्डा एवं नेहा ने 154 मरीजों की निशुल्क जांच की एवं सभी टेस्ट फ्री किये गए। अधिकतर पथरी, खांसी, शुगर, जुकाम, बुखार, गदूद, बवासीर आदि के मरीज थे। इस दौरान पर सभी को आंखें दान करने की शपथ दिलाई गई।

इस अवसर पर विनोद जुनेजा, संजीव सचदेवा, डॉ. सिद्धार्थ, जतिन नारंग, जय सिंधवानी, बीरबल सचदेवा, आकाश सिंधवानी, अशोक कत्याल, हरीश वर्मा, विश्वास, नरेश वर्मा आदि मौजूद रहे।

ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी में छात्र के साथ फिर मारपीट

सोनीपत। ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी में एक बार फिर छात्र के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। एक दिन पहले ही जहां एक अन्य छात्र ने छह सीनियर्स और अन्य पर रैगिंग का आरोप लगाया था। वहीं, अब एक अन्य छात्र से दूसरे छात्र द्वारा नशे की हालत में मारपीट का मामला सामने आया है। मारपीट में पीड़ित के नाक पर चोट आई। जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। शिकायत पर जिंदल यूनिवर्सिटी चौकी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। जिंदल यूनिवर्सिटी में एलएलबी तृतीय वर्ष के छात्र बिहार के पटना के वेस्ट बेली रोड दानापुर केंट के रहने वाले कनिष्क ने पुलिस को बताया कि वह बृहस्पतिवार की रात को करीब साढ़े 12 बजे कैंपस स्थित क्रिकेट ग्राउंड के पास से गुजर रहे थे।

साइकिल रेस से दिया स्वस्थ रहने का संदेश

■ जैड ग्लोबल स्कूल की ओमेक्स शाखा से ऑप्टिमा शाखा तक अलग-अलग वर्ग के लिए साइकिल रेस और पैदल रन प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जैड ग्लोबल स्कूल के अध्यक्ष व कार्यकारिणी समिति द्वारा उत्तम स्वास्थ्य को मद्दे नजर रखते हुए जैड ग्लोबल स्कूल की ओमेक्स शाखा से ऑप्टिमा शाखा तक अलग-अलग वर्ग के लिए साइकिल रेस और पैदल रन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। एलपीएस बोसार्ड के अध्यक्ष राजेश जैन व ओलंपिक में अर्जुन अवार्ड विजेता फ्री स्टाइल रेसलर अशोक गर्ग ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाई। अलग-अलग वर्ग के प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ व पंचम स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों, बुजुर्गों, पुरुषों और महिलाओं को पुरस्कार वितरित किए गए। पैदल रन समाप्त होने के बाद विद्यालय में जुंबा प्रशिक्षक, एरोबिक प्रशिक्षक और योगा प्रशिक्षक द्वारा विभिन्न गतिविधियां करवाई गई। नालेज टैस्ट के विजेता विद्यार्थियों को नकद राशि देकर सम्मानित किया गया। एलपीएस बोसार्ड के अध्यक्ष राजेश जैन ने स्वास्थ्य का ध्यान रखने व पर्यावरण बचाने की सीख दी।

डॉ. कमलेश मलिक की पुस्तक 'हस्ताक्षर तुम्हारे हैं ' का विमोचन

सोनीपत। हिंदू गर्ल्स कॉलेज, सोनीपत के प्रांगण में हिंदी विभाग एवं संस्कृत विभाग द्वारा अखिल भारतीय साहित्य परिषद, सोनीपत इकाई के द्वारा संयुक्त तत्वाधान में प्रसिद्ध लेखिका डॉ. कमलेश मलिक द्वारा लिखित 'हस्ताक्षर तुम्हारे हैं ' पुस्तक का विमोचन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजीव अग्रवाल (अध्यक्ष हिंदू शिक्षण संस्थान एवं धर्मार्थ समिति, सोनीपत) अध्यक्ष पूर्णमल गौड़, विशिष्ट अतिथि आनंद प्रकाश, अजय गर्ग (वरिष्ठ अधिवक्ता) उपस्थित हुए। प्राचार्या डॉ विपाशा अग्रवाल ने आगंतुक सभी उपस्थित अतिथियों का कॉलेज पधारने पर अभिनंदन में स्वागत किया। अखिल भारतीय साहित्य परिषद एवं हिंदू गर्ल्स कॉलेज, सोनीपत के द्वारा सभी विशिष्ट जनों का पौधा भेंट कर स्वागत किया। दीपक प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. ज्योति राज (देवीलाल कॉलेज, मुरथल) ने बखूबी किया। राजीव अग्रवाल ने अखिल भारतीय साहित्य परिषद का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कमलेश मलिक का स्वागत किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि साहित्य को सीखने के दो रास्ते होते हैं एक तो स्वयं पढ़ना और दूसरा अपने पूर्वजों के अनुभव से सीखना।

जमकर झूमे मॉडल स्कूल के विद्यार्थी

ग्रेंड पेरेंट्स उत्सव मनाया, बच्चों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

मॉडल स्कूल महम में ग्रेंड पेरेंट्स उत्सव मनाया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों के दादा-दादी को सम्मानित किया गया। दादा दादी ने अपने पोत्र या पौत्री द्वारा की गई नृत्य व गायन की प्रस्तुतियां देखी। कार्यक्रम में सभी बच्चों के दादा दादी ने रैंप वॉक व अन्य गतिविधियों में शिरकत की। बच्चों ने मनमोहक अंदाज में गीत, संगीत,नृत्य,भाषण और अन्य गतिविधियों से सबको लुभाया। मॉडल एजुकेशन सोसाइटी के सेक्रेटरी राजेश सहगल, वाइस प्रेसिडेंट राम अवतार गुप्ता ने बुजुर्गों के प्रति बच्चों की भावना को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभावान विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अरुणा तनेजा, राजकुमार नरवाल, राजेश निंदाना, प्रवीण खुराना, निर्मल भारद्वाज और रीतू मदान भी उपस्थित रहे।

महम। सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेते मॉडल स्कूल महम के विद्यार्थी।

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में जॉब फेयर का आयोजन कल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

■ विद्यार्थियों ने जाना रिज्यूम बनाने का कौशल

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में 25 फरवरी को जॉब फेयर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 70 से ज्यादा कंपनियां भाग लेंगी और विश्वविद्यालय के छात्रों को रोजगार के अवसर प्रदान करेंगी।

विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा रिज्यूम निर्माण और साक्षात्कार कौशल विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विवि के कुलपति डॉ. एचएल वर्मा ने कहा कि जो शिक्षण संस्थान योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ता है, वो अपने विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने में मील का पत्थर साबित होता है। ऐसे ही विवि का प्लेसमेंट विभाग योजनाबद्ध तरीके से जॉब फेयर आयोजित करने जा रहा है। कैप्टन डॉ. वीरेंद्र सिंह ने रिज्यूम निर्माण के महत्व, साक्षात्कार में संचार की भूमिका, वेशभूषा और आत्म-प्रस्तुतीकरण के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि एक प्रभावी रिज्यूम न केवल उनकी योग्यता और अनुभव को दर्शाता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि वे करियर को लेकर कितने गंभीर हैं। कुलसचिव विनोद कुमार ने कहा कि यह जॉब फेयर न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करेगा, बल्कि छात्रों को पेशेवर दुनिया की चुनौतियों के लिए तैयार भी करेगा। डॉ. नवीन कुमार ने भी इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य छात्रों को आत्मनिर्भर बनाना है।

प्रशिक्षण शिविरों से पेशेवर दक्षता में होती है वृद्धिः मंजुलता

■ आदर्श स्कूल मदीना में सीबीएसई स्कूलों के टीचरों को दी ट्रेनिंग

■ शिक्षकों को नवीनतम शिक्षण पद्धतियों से अवगत करवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल मदीना में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा अध्यापकों में शिक्षण कौशल विकसित करने के लिए क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण शिविर लगाया गया है।

प्रिंसिपल मंजुलता ने बताया कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों के शिक्षण कौशल को उन्नत करना तथा उनको नवीनतम शिक्षण पद्धतियों से अवगत कराना है। जिससे वे अपने ज्ञान को प्रभावी ढंग से छात्रों तक पहुँचा सकें। विद्यालय की प्रधानाचार्या मंजुलता ने बताया कि समय-समय पर इस प्रकार की प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है, ताकि शिक्षकों की शिक्षण पद्धति को और अधिक प्रभावशाली एवं आधुनिक बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण से शिक्षकों की पेशेवर दक्षता में वृद्धि होती है, जिससे छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त होती है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों ने भाग लिया और शिक्षण से संबंधित नवीनतम तकनीकों, मूल्यांकन पद्धतियों एवं कक्षा प्रबंधन पर विस्तृत चर्चा की। प्रशिक्षण के दौरान इंटरएक्टिव सत्र, ग्रुप एक्टिविटीज, केस स्टडीज और व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों ने सीबीएसई द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की सराहना की और इसे शिक्षण गुणवत्ता में सुधार के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। विद्यालय प्रशासन ने भविष्य में भी इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

महम। आदर्श स्कूल मदीना में सीबीएसई द्वारा लगाए गए प्रशिक्षण शिविर में भाग लेते विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक।

महर्षि दयानंद सरस्वती की जयंती पर विचार गोष्ठी का आयोजन

हरियाणवी बोली को भाषा का दर्जा मिलेः डॉ. मधुकांत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

प्रज्ञा साहित्यिक मंच के तत्वावधान में तिरंगा हाउस, मॉडल टाउन में महर्षि दयानंद सरस्वती की जयंती पर हरियाणवी भाषा के संवर्धन पर विमर्श के लिए एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता गांव हलालपुर, सोनीपत से पधारी जनकवि मेहर सिंह सम्मान से सम्मानित वरिष्ठ लेखिका सरोज दहिया ने की। गोष्ठी की शुरुआत महान समाज सुधारक महर्षि दयानंद सरस्वती को श्रद्धा सुमन अर्पित कर की गई।

इसके बाद गोष्ठी के संयोजक हरियाणा साहित्य अकादमी के सूर सम्मान से सम्मानित डॉ. मधुकांत ने अपने उद्बोधन में कहा कि हरियाणवी भाषा का साहित्य प्राचीनकाल से ही समृद्ध रहा है और वर्तमान में भी हरियाणवी में खूब सृजन हो रहा है, आवश्यकता है उसे जन-जन तक पहुंचाने की। उन्होंने कहा कि हरियाणा साहित्य अकादमी पूर्व में हिंदी की विभिन्न विधाओं में संकलन प्रकाशित करती रही है। हम आशा करते हैं कि अब अकादमी द्वारा इस कड़ी में हरियाणवी साहित्य के संकलन प्रकाशित होंगे। अकादमी इसके लिए अन्य साहित्यिक संस्थाओं का सहयोग ले सकती है। उन्होंने आह्वान किया कि अन्य साहित्यिक संस्थाओं द्वारा भी इस दिशा में तीव्र प्रयास किये जाने चाहिए। उन्होंने सरकार से हरियाणवी बोली को भाषा का दर्जा देने की भी मांग की।

इस अवसर पर वरिष्ठ लेखिका आशा खत्री 'लता' ने अपनी पुस्तक 'हरियाणवी कड़के- हरियाणा में प्रचलित मुहावरे व लोकोक्तियां' डॉ. मधुकांत को भेंट करते हुए कहा कि अब समय आ गया है जब हमें अपनी मां बोली हरियाणवी पर गर्व करते हुए इसमें साहित्य रचने और उसके प्रचार-प्रसार में प्राणपण से समर्पित होना चाहिए। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. रमाकांता ने बताया कि उन्होंने अब तक अनेक हरियाणवी पुस्तकों का लेखन व लोकगीतों का संकलन किया है। अध्यक्षीय भाषण देते हुए सरोज दहिया ने कहा कि हमें अपने बच्चों को हरियाणवी बोलने के लिए प्रेरित करना चाहिए। गोष्ठी में इनके अतिरिक्त प्रो. शामलाल कौशल, आजाद सिंह दहिया एवं शुचेता यादव ने भाग लिया। उपस्थित कवियों ने कविता पाठ किया और सभी ने हरियाणवी बोली को भाषा का दर्जा दिलवाने हेतु योगदान का संकल्प लिया।

सरोज दहिया ने अपने सद्य प्रकाशित दोहा संग्रह वर्ण वेणी व दहिया के दोहे साथी साहित्यकारों को भेंट किए। गोष्ठी का कुशल संचालन डॉ. रमाकान्ता ने किया।

तेजधार हथियार से हमला कर किया घायल

सोनीपत। शहर थाना क्षेत्र के ककरोई सड़क मार्ग पर दुकान के अंदर जाने से दुकानदार ने रोका तो युवक ने तेजधार हथियार से हमला कर दिया। दुकानदार ने किसी तरह अपना बचाव किया। हमलावर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। घायल को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में लाया गया। जहां चिकित्सक ने उसे प्राथमिक उपचार के बाद महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल खानपुर रेफर कर दिया।

वरिष्ठ नागरिक कानून की जानकारी दी

रोहतक। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से नीरजा कुलवंत कलसन, जिला एवं सत्र न्यायाधीश रोहतक एंव सीजेएम कम सचिव तरनुम खान के कुशल मार्गदर्शन में एक विशेष कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन वरिष्ठ नागरिक क्लब सेक्टर 1 में किया गया। इस अवसर पैनल के अधिवक्ता आशुतोष कौशिक ने वरिष्ठ नागरिक कानून 2007 के बारे में जानकारी प्रदान की व बताया कि ये कानून किस प्रकार से वरिष्ठ नागरिको के हितों को संरक्षण प्रदान करता है व हितों के लिए विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के मुफ्त कानूनी सहायता उपलब्ध करवाई जाती है, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के नंबर 15100 के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि कोई भी भारत का नागरिक राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के इस नंबर पर फोन करके कानूनी जानकारी व कानूनी सहायता प्राप्त कर सकता है। इस अवसर पर अधिकार मित्र उमेश, वरिष्ठ नागरिक क्लब के सचिव करतार सिंह हुड्डा व क्लब के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

श्रद्धा से मनाई स्वामी बालकपुरी महाराज की पुण्यतिथि

- कार्यक्रम का आरंभ रक्तदान शिविर से हुआ, जिसमें 84 लोगों ने बटोरा पुण्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सद्गुरुदेव स्वामी बालकपुरी महाराज की 16वीं पुण्यतिथि धूमधाम व श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आरंभ रक्तदान शिविर से हुआ। जिसमें 84 लोगों ने रक्तदान किया। मुख्य अतिथि एलपीएस बोसॉर्ड के एमडी राजेश जैन ने पुरिधाम के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी कर्णपुरी महाराज के साथ रक्तदाताओं को बैज लगाकर व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विशाल हरिनाम संकीर्तन का आयोजन पुरिधाम धर्मशाला में किया गया। जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय सचिव महंत कमलपुरी महाराज ने भी सभी को अपना आशीर्वाद दिया। हरिनाम संकीर्तन में भजन गायिका अंजलि द्विवेदी ने गुरूमहिमा के भजन गाकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। सभी भक्ति में लीन होकर नृत्य करते नजर आए।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर स्वामी रमनपुरी, महामंडलेश्वर राघवेंद्र भारती, स्वामी गोविंद पुरी, स्वामी दिलेर गिरी, स्वामी अमरदास, स्वामी सूर्यनाथ, महंत हरपाल दास, महंत ईश्वर शाह, सन्नी बाबा, रघुनाथ महाराज आदि मौजूद रहे।

भंडारे का आयोजन, ब्राह्मणों व साधुसंतों को दिया लंगर प्रसाद

इस अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें सर्वप्रथम ब्राह्मणों व साधुसंतों को लंगर प्रसाद दिया गया। देश भर से आए पुरिधाम के अनुयायियों व भक्तों ने ब्रह्मलीन सद्गुरुदेव स्वामी बालकपुरी महाराज की समाधि पर माथा टेका व संतों का आशीर्वाद लिया। हजारों भक्तों ने भी लंगर प्रसाद ग्रहण किया।

खबर संक्षेप

जीवन में अच्छे आदर्शों को अपनाना चाहिए

रोहतक। वैश्य कॉलेज में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवकों ने योगाभ्यास के साथ दिन की शुरुआत की, इसके बाद विभिन्न प्रकार की दैनिक क्रियाओं की शुरुआत सिविल हॉस्पिटल की आइसीटी काउंसलर डॉ. कुसुम ने एचआइवी एड्स विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने स्वयंसेवकों को इस घातक बीमारी के कारण, रोकथाम के उपाय बताए। साथ ही पीड़ित लोगों को सहायता और जागरूकता पर जोर दिया। डॉ. रविकांत ने समाज में गिरते नैतिक मूल्यों विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया, उन्होंने बताया कि हमें अपने जीवन में अच्छे आदर्शों को अपनाना चाहिए ताकि हम अच्छे समाज का विकास कर सकें। इसके बाद स्वयंसेवकों ने आज के मुद्दों पर आपस चर्चा की। कॉलेज प्राचार्य डॉ. संजय गुप्ता ने स्वयंसेवकों को समाज सेवा करने के लिए प्रेरित किया। वहीं इस दौरान पोस्टर मेंकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। एनएसएस के संयोजक डॉ. मुकेश ने नैतिक आदर्शों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया, एनएसएस संयोजक डॉ. पिंकी यादव ने भी समाज सेवा के लिए प्रेरित किया।

ऋषि दयानन्द सरस्वती के जन्मदिवस पर 18वां बेटी बचाओ महायज्ञ प्रारंभ

आर्य समाज का बेटियों को बचाने का आंदोलन भी एक महायज्ञ : वेदप्रकाश

समाज में फैले जातिवाद, ऊंच नीच के भेदभाव को समाप्त करने के लिए ऋषि दयानंद की विचारधारा को अपनाना होगा : स्वामी आर्यवेश

- सामाजिक बुराइयों की विरुद्ध डलवाई आहुतियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

आर्य समाज के युवा संगठन सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद, बेटी बचाओ अभियान एवं युवा निर्माण अभियान के संयुक्त तत्वाधान 18वां बेटी बचाओ महायज्ञ रविवार को स्वामी इंद्रवेश विद्यापीठ टीटोली में प्रारंभ हुआ। महर्षि दयानंद सरस्वती के 200वें जन्म जयंती वर्ष एवं आर्य समाज स्थापना के 150 वर्ष पूर्ण होने की उपलक्ष में आयोजित महायज्ञ में कन्या भ्रूण हत्या, गौहत्या, नशाखोरी, अश्लीलता तथा धार्मिक अंधविश्वास के विरुद्ध संकल्प की आहुतियां डलवाई गई। यज्ञ के ब्रह्मा व वैदिक आश्रम नूरपुर हिमाचल के प्रधान स्वामी वेदप्रकाश ने कहा कि आर्य समाज का बेटियों को बचाने का आंदोलन भी एक महायज्ञ है। क्योंकि उपकार का दूसरा नाम भी यज्ञ है। जिस कार्य को करने से प्राणी मात्र का लाभ होता हो वह कार्य यज्ञ कहलाता है। उन्होंने कहा कि अगर हम वेद मार्ग पर चलते हैं तो एक सुंदर व प्रेरणादायी समाज का निर्माण कर सकते हैं।

ऋषि दयानंद ने दुनिया के सामने धर्म के वास्तविक स्वरूप को रखा

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा नई दिल्ली के प्रधान स्वामी आर्यवेश ने कहा कि ऋषि दयानंद ने दुनिया के सामने धर्म के वास्तविक स्वरूप को रखा और धर्म के नाम पर चल रहे अंधविश्वास एवं पाखंड का विरोध किया। उन्होंने वेद आधारित शिक्षा प्रणाली, वर्ण व्यवस्था, आश्रम व्यवस्था को समाज में स्थापित करने के लिए समाज को जागरूक किया। उनकी प्रेरणा से ही हजारों क्रांतिकारियों ने देश की आजादी के लिए अपने आप को सर्वात्मना समर्पित कर दिया। स्वामी आर्यवेश ने कहा कि समाज में फैले जातिवाद, ऊंच नीच के भेदभाव को समाप्त करने के लिए हमें ऋषि दयानन्द की विचारधारा और वेद की मान्यताओं को अपनाना पड़ेगा।

20,000 से ज्यादा मंत्रों से आहुतियां दी जाएंगी

सार्वदेशिक आर्या युवती परिषद की राष्ट्रीय अध्यक्षा और महायज्ञ की संयोजक बहन प्रवेश आर्य ने बताया कि यह यज्ञ स्वामी इंद्रवेश के 88वें जन्म दिवस तक चलेगा। 9 मार्च तक चलने वाले इसी यज्ञ में चारों वेदों के 20,000 से ज्यादा मंत्रों के माध्यम से आहुतियां दी जाएंगी। इस यज्ञ में वेद पाठ गुरुकुल बरनावा के स्नातक आचार्य अमित और आचार्य अंकित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ अभियान को समर्पित चारों वेदो का यह 18वां यज्ञ है। 9 मार्च को यज्ञ की पूर्णाहुति व अंतरराष्ट्रीय आर्य विद्वत महासम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर बेटी बचाओ अभियान की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन पूनम आर्या, स्वामी ब्रह्मानंद, जिले सिंह कुंडू, ऋषिराज शास्त्री आदि उपस्थित रहे। यज्ञ में मुख्य यज्ञमान अजय आर्य व प्रीति आर्या, बबरुभान अहलावत व सुषमा आर्या, विनोद हुड्डा व अनिता हुड्डा, महेन्द्र शास्त्री एवं कृष्णा, राजबीर वशिष्ठ, माता मूर्ति देवी, ईश्वर सिंह आदि रहे।

हवन कर मांगी सभी के अच्छे स्वास्थ्य की कामना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गायत्री परिवार के सदस्यों ने समाज सुधार एवं बच्चों के प्रति संस्कार जागृत करने के लिए हवन का आयोजन किया। यह कार्यक्रम प्रत्येक रविवार को जय मां गायत्री यज्ञ शाला रुपया चौक झज्जर बाईपास पर किया जाता है। पंडित हरिओम वशिष्ठ अध्यक्ष श्री हरिहर धाम ट्रस्ट ने बताया कि रविवार को परशुराम सेवा संघ द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रधान बीएस कौशिक ने कहा कि सनातन धर्म में आस्था रखने वाले लोगों को अधिक से अधिक समय परिवार व समाज सुधार के लिए बच्चों में जागृति लाने के लिए लगाना चाहिए, क्योंकि स्वयं बदलेंगे तभी समाज बदलेगा। सामूहिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर परिवार सहित सम्मिलित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हवन के माध्यम से समस्त जीव कल्याण की कामना की जाती है। आचार्य ने महामृत्युंजय मंत्र द्वारा आहुतियां डालकर सभी के स्वास्थ्य की कामना की। कमलेश देवी ने भगवान परशुराम के भजन की प्रस्तुति दी। आरती के बाद प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर ताराचंद, सतीश सुनेजा, जगमहेंद्र गौतम, पंडित भगवानदास शर्मा, भव्या वशिष्ठ, जिवेश, रीना देवी, जोगीराम भारद्वाज, पूर्ण चंद, अरुण भारद्वाज आदि मौजूद रहे।

अंकुश भाजपा घुमंतू जाति संपर्क के सह संयोजक नियुक्त

रोहतक। भाजपा चुनावी कार्यालय में चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष प्रदीप जैन ने एडवोकेट अंकुश बिडडू सांसी को भाजपा के हरियाणा घुमंतू जाति संपर्क का सह संयोजक बनाए जाने पर मिठाई खिलाकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उनके साथ पूर्व चेयरमैन डॉ बलवान को प्रदेश संयोजक बनाया गया है। इस मौके पर चुनाव कार्यालय प्रमुख कमल धींगड़ा, प्रदेश क्लस्टर प्रभारी नागेंद्र शर्मा, जिला उपाध्यक्ष पंकज छाबड़ा, सभी प्रकोष्ठों

नशे से दूर रहने का दिया संदेश

रोहतक। पंडित नेकीराम राजकीय महाविद्यालय में एक दिवसीय राष्ट्रीय स्वयंसेवक शिविर का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों ने स्वच्छता अभियान के दौरान महाविद्यालय के प्रांगण की सफाई की और महाविद्यालय को प्लास्टिक मुक्त किया। स्वयंसेवकों ने नशे से दूर रहने का संदेश देते हुए रैली भी निकाली। उन्होंने आम जनता को नशा मुक्ति के बारे में जागरूक किया और समाज को जागरूक और बेहतर बनाने का कार्य किया। महाविद्यालय की चारों इकाई के स्वयं सेवकों ने अपना योगदान दिया। प्राचार्य डॉ. लोकेश बलहारा के नेतृत्व में महाविद्यालय के स्वयंसेवकों ने अपने कौशल, सूझबूझ एवं शांत स्वभाव का परिचय देते हुए सारे कार्यों को भली भांति किया।

नौकरी छीनने पर एक्सटेंशन लेक्चरर ने सीएम से लगाई न्याय की गुहार

- 90 एलीजिबल एक्टेंशन लेक्चरर के खिलाफ तुगलकी फरमान जारी कर छीना रोजगार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

उच्चतर शिक्षा निदेशालय ने राज्य के विभिन्न राजकीय महाविद्यालय में कई वर्षों से कार्यकरत 190 एलीजिबल एक्टेंशन लेक्चरर के खिलाफ तुगलकी फरमान जारी कर उनका रोजगार छीन लिया है। इन लेक्चरर का कसूर यह था कि इन्होंने यूजीसी द्वारा अगले पांच वर्षों के लिए डी बार किए गए तीन विश्वविद्यालयों से पीएचडी की डिग्री हासिल की थी। जबकि यू जी सी ने पहले डिग्री हासिल कर चुके विद्यार्थियों के लिए किसी प्रकार की कोई नकारात्मक टिप्पणी नहीं की है। इस फरमान के विरोध में रविवारको पीड़ित एलीजिबल एक्टेंशन लेक्चरर पंचकूला स्थित धरने स्थल पर पहुंचे तथा विभाग के इस मनमाने फैसले के विरोध में रोष प्रकट किया एवं मुख्यमंत्री से न्याय की गुहार की।

अगले पांच वर्षों के लिए राजस्थान के तीन विश्वविद्यालय के पीएचडी दाखिले पर रोक

एक्टेंशन लेक्चरर यूनियन के प्रधान ईश्वर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अगले पांच वर्षों के लिए राजस्थान के तीन विश्वविद्यालय के पीएचडी दाखिले पर रोक लगाई है। इसे आधार बनाकर उच्चतर शिक्षा विभाग ने 190 लेक्चरर को नौकरी से हटा दिया है। यह अत्यंत अन्यायपूर्ण है। उन्होंने यह भी बताया कि विभाग द्वारा इन सभी लेक्चरर की डिग्री की जांच पहले भी की जा चुकी है तथा किसी प्रकार की कोई अनियमितता नहीं पाई गई। उन्होंने कहा कि इन्हीं विश्वविद्यालयों से डिग्री प्राप्त कर अनेक रेगुलरर एसिसटेंट प्रोफेसर एवं एसोसिएट प्रोफेसर राज्य के महाविद्यालयों एवं विश्विद्यालयों में कार्य कर रहे हैं जबकि उनके खिलाफ किसी भी प्रकार कोई कार्रवाई नहीं की गई है। डॉ. ईश्वर ने बताया कि विभाग ने पूर्वाग्रह आधारित भेदभावपूर्ण एवं मनमानी कार्रवाई कर 190 पीएचडी धारक एजीजिबल लेक्चरर को गैर जरूरी ढंग से रोजगार विहिन किया गया है। यह प्राध्यापक वर्षों से महाविद्यालयों में सेवा कर रहे हैं। आशा है कि माननीय मुख्यमंत्री इस आदेश को निरस्त कर इन सभी प्राध्यापकों की नौकरी सुरक्षित करेंगे।

पेट्रोलियम संरक्षण के महत्व के बारे में बताया

- इंडियन ऑयल के साइक्लोथॉन को ओलंपियन रेसलर सीमा बिसला ने हरी झंडी दिखाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा स्वामी नितानंद स्कूल में पेट्रोलियम संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को ईंधन के कुशल उपयोग और पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक करना रहा। साइक्लोथॉन में स्वामी नित्यानंद स्कूल के 80 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन विद्यार्थियों ने तीन किलोमीटर साइकिल चलाई और पेट्रोलियम बचाने के संदेश को दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुश्ती कोच सीमा बिस्ला ने हरी झंडी दिखाकर किया। उन्होंने बच्चों को प्रेरित किया और उन्हें पेट्रोलियम संरक्षण के महत्व के बारे में बताया। इंडियन ऑयल के अधिकारी मोहित खोखर व राहुल ने पेट्रोलियम संरक्षण के विभिन्न तरीकों पर प्रकाश डाला, जैसे कि सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करना, वाहनों का नियमित रखरखाव करना, ऊर्जा-कुशल उपकरणों का उपयोग करना, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को अपनाना आदि। उन्होंने कहा कि पेट्रोलियम संरक्षण न केवल पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी आवश्यक है। प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार वितरित किए गए। इस अवसर पर स्कूल के चेयरमैन सुमीत मलिक, मनोज गहलावत, मोनिका, अशोक मलिक, अतुल दांगी, पवन रोहिल्ला, राज सिंह, दीपक खरब, दीपक बामल, डॉ. बिरेंदर, प्रमोद आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

सुधार परीक्षा शाखा में अनुबंध का कर्मचारी नियुक्त नहीं किए जाने के निर्देश

विश्वविद्यालय की उन्नति के लिए सभी मिल कर करें कार्य : कुलपति

पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विवि ने परीक्षा शाखा में हुई गड़बड़ी से लिया सबक

- परीक्षा प्रणाली में किए गए काफी बदलाव
- नवनियुक्त परीक्षा नियंत्रक डॉ सुखदेव चांदला को सौपी जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय ने परीक्षा शाखा में हुई गड़बड़ी से सबक लेते हुए परीक्षा प्रणाली को काफी अधिक सुदृढ़ बना दिया है ताकि भविष्य में किसी प्रकार की कोई भी गड़बड़ी होने की संभावना ना रहे। कुलपति डॉ एच के अग्रवाल के दिशा निर्देशन में विश्वविद्यालय द्वारा गोपनीयता को ध्यान में रखते हुए सभी जरूरी बदलाव किए गए हैं।

डॉ एच के अग्रवाल (कुलपति)

इसके बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कुलपति डॉ एच के अग्रवाल ने बताया कि पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय ने परीक्षा शाखा में हुई गड़बड़ी से सबक लेते हुए परीक्षा प्रणाली में काफी बदलाव किया गया है ताकि भविष्य में इस प्रकार की कोई भी पुनरावृति ना हो सके। नवनियुक्त परीक्षा नियंत्रक डॉ सुखदेव चांदला को इस महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी सौंपकर कुलपति डॉ अग्रवाल ने परीक्षा शाखा के सभी कर्मचारियों को बदलते हुए वहां पर स्थाई कर्मचारियों की नियुक्ति कर दी है और सख्त हिदायत दी गई है कि भविष्य में भी परीक्षा शाखा में कोई भी अनुबंध का कर्मचारी नियुक्त नहीं किया जाएगा। डॉ अग्रवाल ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा डिजिटलीकरण पर जोर दिया जा रहा है, जिससे परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुरक्षा में बढ़ोतरी होगी।

उन्होंने बताया कि परीक्षा परिणाम को समय पर घोषित करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा संस्थान में केंद्र बनाकर और यहीं पर एग्जामिनर से पेपर चेक करवाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसके लिए प्रतिदिन दर्जनों एग्जामिनर्स को विश्वविद्यालय में बुलाया जा रहा है। डॉ अग्रवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय भविष्य में परीक्षा नियंत्रक डॉ सुखदेव चांदला के दिशा निर्देशन में परीक्षा को गोपनीयता को ध्यान में रखते हुए कार्य करता रहेगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की अपनी एक गरिमा है जिसे ध्यान में रखते हुए हम सभी का प्रयास होना चाहिए की सभी मिलकर विश्वविद्यालय की उन्नति के लिए कार्य करें और इसे देश के अग्रणी संस्थानों में शामिल करने में सभी अपना सहयोग प्रदान करें।

शिविर में 34 लोगों ने किया रक्तदान

रोहतक। दीपिका भारत गैस और रुद्र आयुर्वेद भिवानी चुंगी के सहयोग से रविवार को रक्तदान शिविर लगाया गया। जिसमें 34 लोगों ने रक्तदान किया। इस दौरान मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के मीडिया एडवाइजर सुदेश कटारिया रहे। उन्होंने रक्तदाताओं को बैच और प्रसंसा पत्र देकर सम्मानित किया। रक्तदान शिविर की अध्यक्षता भाजपा नेता राजेश सुनारिया ने की। इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक आचार्य सुमित और कविता राठी, बाबा सुनील भगत, गोपाल, आशु, कोमल, शालू आदि मौजूद रहे।